भगवान सूर्य के 12 नाम

आदित्य- भगवा न सूर्य, ऋषि कश्यप और अदिति के पुत्र हो ने कारण, माता अदिति के नाम पर इनका नाम सूर्य रखा गया है. अदिति का अर्थ हो ता है- जो राग-द्वेष से ऊपर हो और जिस पर किसी का वश न चलता हो .

दिनकर- दिन का स्वामी या दिन की शुरुआत सूर्य से हो ने के कारण, सूर्य को दिनकर भी कहा जाता है.

दिवाकर- दिवाकर का अर्थ हो ता है रात या अन्धका र को खत्म करने वा ला . मतलब जिसके आते ही अन्धकार खत्म हो जाय उसको सूर्य कहा जाता है.

भानू- भानू का मतलब ऐसे अलौकिक तेज से होता है जिसका लाभ हर एक को मिलता हो . इसी अलौकिक तेज के कारण सूर्य को भानू भी कहा जाता है.

रवि - कहते हैं कि ब्रह्माण्ड की शुरुआत जिस दिन हुई थी उस दिन रविवार था .इसीलिए हफ्ते की शुरुआत भी रविवार से ही होती है और भगवा न सूर्य को रवि नाम से भी जाना जाता है.

प्रभा कर- प्रभा का अर्थ होता है प्रातः काल और यही वह समय हो ता है जब सूर्य संसार में विद्यमा न होते हैं. इसीलिए इन्हें प्रभा कर भी कहा जाता है.

रश्मि मते- इसमें दो शब्द हैं. जिसमें रश्मि का अर्थ होता है प्रकाश और मते का अर्थ होता है पुंज. अर्था त जिसके भी तर हजारों की संख्या में प्रकाश पुंज हो उसे सूर्य कहा जाता है.

भुवनेश्वर- इसका अर्थ हो ता है- पृथ्वी पर राज करने वाला पृथ्वी भी तो सूर्य का ही एक ग्रह ही है. इसलिए सूर्य को भुवनेश्वर भी कहा जाता है

सविता - सवि ता का मतलब उत्पन्न करने वाला होता है. संसार में प्रकाश को पैदा करने के कारण सूर्य को सविता भी कहा जाता है.

सूर्य- सूर्य का अर्थ हो ता है भ्रमण करने वाला . भगवा न सूर्य हमेशा पूरे संसार में भ्रमण करते रहते हैं इसलिए इनका नाम सूर्य भी है

सप्तसती - भगवा न सूर्य सात घोड़ों के रथ की सवारी करते हैं. इसलिए इनका एक नाम सप्तसती भी रखा गया है.

आदि देव- वेदों के मुताबिक ब्रह्माण्ड की शुरुआत चौत्र मास के शुक्ल पक्ष में रविवार के दिन हो ने के कारण इनका एक नाम आदि देव भी है.